गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार

ग्रामीण क्षेत्रों निवास करने वाले समस्त परिवारों का सर्वेक्षण वर्ष 2003 में घर घर जाकर किया गया। यह सर्वेक्षण प्रत्येक परिवार के शैक्षणिक, व्यवसायिक एवम् जीवन स्तर के कुल 13 संकेतकों पर आधारित था। प्रत्येक संकेतक को बदतर से बेहतर, पॉच श्रेणियों में विभाजित कर सभी ग्रामों में सर्वेक्षित परिवारों को प्राप्तांक के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। बीपीएल सर्वे–2003 में किए गए सर्वेक्षण अनुसार कुल 14 तक अंक प्राप्त करने वाले परिवारों को बीपीएल सूची भाग 'अ' अनुसार तैयार सूची का द्वितीय प्रकाशन दिनांक 16 मार्च, 2006 से प्रत्येक ग्राम पंचायत मूख्यालय पर कर दिया गया है। यह सूची वर्ष 2006–07 से प्रभावशील हो जाएगी।

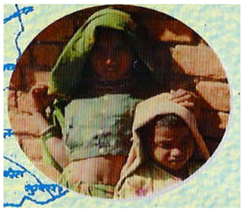

14 तक अंक प्राप्त करने वाले परिवार की सूची भाग – अ –जनपद वार

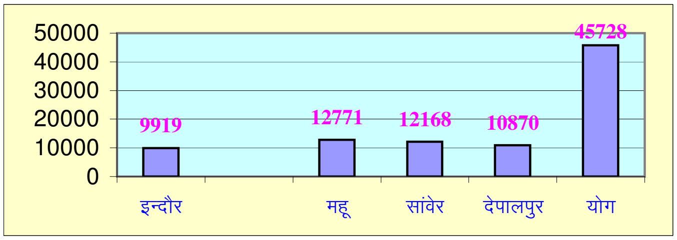

जनपद वार 14 तक अंक प्राप्त करने वाले सामाजिक वर्गवार विभाजन

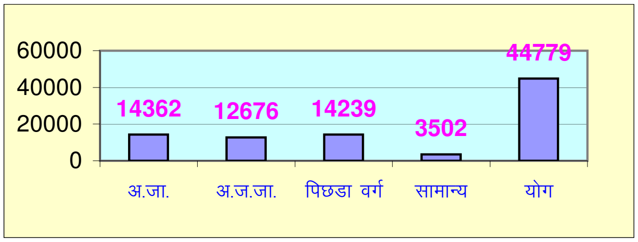

इन्दौर	महू	सांवेर	देपालपुर	योग
9919	12771	12168	10870	**45728**

अ.जा.	अ.ज.जा.	पिछडा वर्ग	सामान्य	योग
14362	12676	14239	3502	**44779**

ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धनता का प्रमुख कारण 81.77 प्रतिशत परिवारों के पास भूमि उपलब्ध नहीं होना है। गॉवों में कृषि के अलावा वैकल्पिक रोजगार के सीमित अवसर है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या एवम् शहरी क्षेत्र के निवासियों एवम् उद्यमियों का ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य के रूझान ने समस्या को व्यापकता दी है। वर्ष 2003 में किए गए बीपीएल सर्वे अनुसार कुल परिवारों के आधार पर 0 से 14 अंक तक प्राप्तांक वाले परिवारों का प्रतिशत एवं वर्ष 1997–98 की सर्वे सूची के परिवारों के प्रतिशत का तुलनात्मक चार्ट निम्नानुसार है :–

जिले में गरीबी की रेखा के निर्धारण हेतु कुल सर्वेक्षित ग्रामीण परिवार की सारणी

क्र	विकास खण्ड का नाम	कुल ग्रामों की संख्या	कुल परिवारों की संख्या	कुल सर्वेक्षित परिवारों की संख्या	विकास खण्ड के ग्रामों में सर्वेक्षित परिवारों को प्राप्तांक के आधार पर संख्या	वर्ष 1997.98 में सर्वेक्षण की स्थिति	
					प्राप्तांक 0 से 14 तक की सूची भाग ' अ	सर्वेक्षित परिवारों की संख्या	कुल बीपीएल परिवारों की संख्या
1	इन्दौर	157	50016	50016	10918	38015	6373
2	महू	174	37090	37090	13869	31348	9833
3	सांवेर	147	33221	33221	14056	27749	6248
4	देपालपुर	173	31801	31801	10916	28488	5670
	योग	651	152128	152128	49759	125600	28124
कुल सर्वेक्षित परिवारों से प्रतिशत			17.44%		32.71%		22.39%

>> वर्ष 1997 में ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत कुल 125600 से बढकर 152128 परिवार हो गए । इस प्रकार पॉच वर्षो में 17.44 प्रतिशत परिवार बढ़ गए ।

>> वर्ष 1997–98 के सर्व अनुसार 28124 बीपीएल परिवार थे। अब शासन निर्देशानुसार भाग–अ अनुसार 49759 परिवार हो गए हैं, जो कुल परिवार 152128 का 32.71 प्रतिशत हो गया है। यह सूची दिनांक 01 अप्रेल, 06 (वर्ष 2006–07) से प्रभावशील हो गई है। सूची के संबंध में आपत्तियॉ निरन्तर तब तक प्रस्तुत की जा सकेगी, जब तक कि यह सूची प्रभावशील रहेगी। माह सितम्बर 08 अंत तक कुल 19012 दावे प्राप्त हुऐ जिनमे से 16735 का निराकरण किया गया। वर्तमान में 2277 आवेदन लंबित है। 2494 नाम जोडे गये है इस प्रकार बी.पी.एल. परिवार की संख्या 45265 से बढ़कर 49759 हो गई है।